

प्रेषक,

अजय सिंह नबियाल
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी
उत्तराखण्ड।

सिंचाई विभाग

देहरादून : दिनांक 24 सितम्बर, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 के लिए आयोजनागत मदों में जिला योजना के अन्तर्गत धनावंटन।

महोदय,

जिला योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विकेंद्रीकरण के अन्तर्गत जिलाधिकारियों/मण्डलायुक्तों को वित्तीय अधिकारों के प्रतिनिधायन एवं प्रमुख सचिव, वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 267/XXVII(1)/2008 दिनांक 27.3.008 के अनुपालन में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि सिंचाई विभाग के लिए वर्ष 2008-09 में जिला योजना में अनुसूचित जाति उपयोजना एवं अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अन्तर्गत रु0 787.69 लाख (रुपये सात करोड़ सत्तासी लाख उन्हत्तर हजार मात्र) की धनराशि, जिसका विवरण संलग्नक-1 में अंकित है, को जनपदों में स्थित सिंचाई खण्डों में आवंटित करने हेतु आपके निवर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 1- सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल उन्ही योजनाओं के लिए किया जाए जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है तथा जिन योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 2- जिलाधिकारियों के निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय केवल उन्ही योजनाओं पर किया जाए जो जिला अनुश्रवण समितियों से अनुमोदित है।
- 3- धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृत एवं कार्यों के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
- 4- उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, टैण्डर, कुटेशन विषयक नियम तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- 5- स्वीकृत धनराशि का खण्डवार विभाजन/फॉट सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा किया जायेगा, जिसका विवरण शासन को भी उपलब्ध कराया जायेगा। जिला योजना की फॉट जिला अनुश्रवण समिति द्वारा स्वीकृत परिव्यय के आधार पर की जाय।
- 6- जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
- 7- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

क्रमशः.....2

